



Cadaver Organ Donor Parimal M. Bhagat

Surti teacher's heart now beats in 14-year-old girl from UAE

Mulvin Reggie Thomas
@timesofindia.com

Shard: Organs of a teacher who died recently have given a new lease of life to three persons. Including a 14-year-old girl from the United Arab Emirates (UAE), Parimal

Mujibha Bhagat, 65, used to teach at the Nagar Prathamik Shiksha Samiti School, which is run by the Surat Municipal Corporation (SMC).

The heart of Bhagat was airlifted to Chennai's Fortis Ashar Hospital, some 1,000 km away from the city, in the minutes after Saturday had transpired in the body of Khadija Al-Dulaini, a teenage girl who was suffering from heart ailment since long.



The remains of Parimal Bhagat were conserved by an NGO to donate his organs.

Bhagat complained of severe headache in the week before his death. Bhagat's wife Jagruti applied no ointment to ease his pain. He was supposed to leave the bus-stand school run for his job at Nagar Prathamik School number 3116, Karel. That day he did not wake up all from. His

parents tried to wake him up, but he did not respond. Bhagat was immediately shifted to DAPS Hospital at around 10:00 am. The CT scan and other reports suggested he had a T10-T11 brain haemorrhage and there was blood clotting. Bhagat was declared brain dead on

March 3 by a team of doctors at RAPS Hospital.

RAPS Hospital contacted the team of Tamil Nadu Tamilan members and Jagruti and convinced her to donate Bhagat's organs to give a new lease of life to sick people in need of them. Donate Life members started a search for patients matching the donor's profile for heart transplant. They contacted many hospitals and transplant centres in Mumbai and Ahmedabad. They also contacted the National Organ and Tissue Transplant Organisation.

Bhagat's name was registered at the Fortis Ashar Hospital for heart transplant. Bhagat's kidneys have been transplanted in the bodies of two patients at the Institute of Kidney Diseases and Research Centre in Ahmedabad.

■ सूरत के परिमल का दिल यूई की खादीजा में धड़केगा ■ गुजरात से पहली बार तमिलनाडु ले जाकर हार्ट ट्रांसप्लांट

ब्रेन डेड पति के अंगों का
दान के निर्णय से तीन
को नई जिंदगी मिली

पश्चिम न्यूज नेटवर्क
rejthanparka.com

सूरत ब्रेनडेड व्यक्ति का हार्ट शनिवार को सूरत से 16-15 किलोमीटर दूर तमिलनाडु ले जाकर ट्रांसप्लांट किया गया। इस तरह का यह पहला मामला है, जब गुजरात से किसी ब्रेनडेड व्यक्ति का हार्ट तमिलनाडु ले जाया गया हो। हार्ट दान के निर्णय से अब सूरत के परिमल भागत का दिल यूई की 14 साल की किशोरी खादीजा अब्दुला ओबीदुल्ला में धड़केगा।

डोनेड लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडलेखला ने बताया कि जलंधीएरु को श्रीधर सोरापटी निवासी और नगर प्राथमिक स्कूल की शिक्षिका जागृति श्यात के पति परिमल ने 2 मार्च की सुबह पहली से वार ने रूई की सिकायत की और सो गए, लेकिन जब कुछ देर बाद उन्हें जगने को कोशिश की तो वह नहीं उठे। परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में गयी करवाया। सीटी स्कैन की रिपोर्ट में उनके रिफण की गरीं पाटने की हथोकात सामने आई। शुक्रवार को चिकित्सकों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों से मुलाकात कर उन्हें अंगदान के लिए समझाया तो परिजन अंगदान के लिए तैयार हो गए। इसके बाद किडनी और लीवर के दान के लिए अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसेज



एण्ड रिसर्च सेंटर और हार्ट के दान के लिए चेन्नई की फोर्टिस मलार अस्पताल की चिकित्सा टीम सलाचार तद्विके चेन्नई से सूरत पहुंची और परिमल के हार्ट का दान स्वीकार कर सुबह साठ बजे चेन्नई जाने के लिए रवाना हुई। 135 मिनट में टीम चेन्नई पहुंच गई और हार्ट यूई निवारी 14 वर्षीय खादीजा अब्दुला ओबीदुल्ला में ट्रांसप्लांट किया गया।

भारतीय मरीज न मिलने से विदेशी में ट्रांसप्लांट

नीलेश मांडलेखला ने बताया कि हार्ट डोनेड के बाद चार घंटे में वह ट्रांसप्लांट हो जाला चाहिए। इस लिए परिजनों के परिजनों के अंगदान के निर्णय के बाद पहले उन्होंने अहमदाबाद के सरली अस्पताल और सैआईएमएस अस्पताल से संपर्क किया, लेकिन यहां हार्ट ट्रांसप्लांट का गरीज उपलब्ध नहीं था। इसके बाद मुंबई जेडटीसीसी के ट्रांसप्लांट कॉ-ऑर्डिनेटर डीविला से संपर्क किया, लेकिन यहां भी गरीज नहीं होने की जानकारी मिली तो अखिर नैराक्त

ऑर्गेन एण्ड ट्रीशू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन के निदेशक डॉ. निमल भंडारी से संपर्क किया गया। उन्होंने भी दिल्ली में ए पॉजिटिव ब्लडग्रुप का गरीज नहीं होना बताया। बाद में तमिलनाडु के नेशनल नेटवर्क ऑफ ऑर्गेन शेयरिंग कॉ-ऑर्डिनेटर अंजना से संपर्क किया गया। अंजना ने बताया कि यहां हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए भारतीय मरीज नहीं हैं, लेकिन यूई की निवारी एक 14 साल की किशोरी चेन्नई के फोर्टिस मलार अस्पताल में गयी है। रात्री के प्रत्यक्ष के बाद नाटो के निदेशक ने इसके लिए मंजूरी दे दी और हार्ट खादीजा में ट्रांसप्लांट किया गया।

प्रशासन का सहयोग

सूरत से हार्ट ले जाकर तमिलनाडु में ट्रांसप्लांट करने में स्थानीय पुलिस प्रशासन और एयरपोर्ट अथॉरिटी तथा चिकित्सकों का सहयोग रहा। नाइट लैंडिंग और टेक ऑफ की सुविधा नहीं होने के बावजूद तद्विके साढ़े तीन बजे सूरत एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक प्रमोदकुमार ने लैन्डिंग की मंजूरी दी।

गुजरात से पहली बार तमिलनाडु ले जाकर हार्ट ट्रांसप्लांट

सूरत के परिमल का
दिल सूरई की
खादीजा में धड़केगा
बेन डेड पति के अंगों
का दान के निर्णय
से तीन को नई
जिंदगी मिली, 155
मिनट में हार्ट लेकर
पहुंची टीम

पत्रिका-सूरत नेटवर्क
दुबई, 21 अक्टूबर

सूरत, बेनडेड पति का हार्ट
संस्कार को सूरत से 1695
किलोमीटर दूर तमिलनाडु ले
जाकर ट्रांसप्लांट किया गया। इस
कारण का यह कहना ग़रबत है, यह
मुम्बई से किसी बेनडेड व्यक्ति
का हार्ट तमिलनाडु ले जाया गया
है। हार्ट दान के निर्णय से अब
सूरत के परिमल भाई का दिल
सूरई की 14 साल की किशोरी
खादीजा अस्तुला ओबीएलना में
लड़केगा। बेनडेड पति के प्रमुख
सौतेला भाइयोजना ने बताया कि
जहाँगीरपुरा की शीकर ओबयवटी
निवासी और माता प्राथमिक स्कुल
की शिक्षिका साधुते भगत के पति



भारतीय मरीज नहीं मिलने से विदेशी
मरीज में ट्रांसप्लांट का निर्णय

सौतेला भाइयोजना ने बताया कि हार्ट
डोनेट के बाद घर छोड़े गे जहाँ
ट्रांसप्लांट होनामा था। इस लिए
परिजनों के परिजनों के अंगदान
के निर्णय के बाद पहले उन्होंने
आत्मसाधन के सर्विंग अस्पताल
और सीआरएनएस अस्पताल से
संपर्क किया, लेकिन यहाँ हार्ट
ट्रांसप्लांट का मरीज उपलब्ध नहीं
था। इसके बाद मुंबई जेवरीसीमें के
ट्रांसप्लांट एंथी-ऑर्गेनर अमिता से
संपर्क किया, लेकिन वहाँ भी मरीज
नहीं होने की जानकारी मिली तो
अधिक मेम्बर ऑर्गेन प्राइम लीवर्
ट्रांसप्लांट ऑर्गेनडोनेशन के
निदेशक डॉ. विजय शंभरी से संपर्क

किया गया। उन्होंने जी दिल्ली में ए
पीओरिअल अस्तुला का मरीज नहीं
होना बताया। बाद में तमिलनाडु के
मेम्बर नेल्सॉन डॉ. ऑर्गेन
एंगरिंग एंथी-ऑर्गेनर अमिता से
संपर्क किया गया। अमिता ने बताया
कि यहाँ हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए
भारतीय मरीज नहीं है, लेकिन सूरई
की निवासी एक 14 साल की किशोरी
केलई के कोर्टिस अमर अस्पताल
में आई है। विदेशी मरीजों को लेकर
अस्पताल की इच्छा बन
गई, लेकिन सभी के घरों के बाद
नाह के निदेशक ने इसके लिए
संपूर्ण दे दी और हार्ट काटने में
ट्रांसप्लांट किए गए।

परिमल ने 2 साल की सुबाह पत्नी
से निरने एवं की शिफारश की और
सो कर, लेकिन जब कुछ घरे बाद
उन्हें जानने की कोशिश की तो वह
नहीं उठी। परिजनों ने उन्हें निजी
अस्पताल में भर्ती करवाया। सोटी
सीला को रिपोर्ट में उनके रिजान को
नये फटने की इच्छाकर साधुते
अर्दी। राजुवार की निशिकरवकी ने
उन्हें बेनडेड घोषित कर दिया।
इसके बाद परिजनों से मुनाकात
कर उनके आधान के लिए साधुता
ले परिजान आधान के लिए तैयार
हो कर। इसके बाद फादरी और
शीकर के दान के लिए आत्मसाधन
के इस्वीदयुड ऑफ किडनी डिस्वीज
एण्ड रिसर्च सेंटर और हार्ट के दान
के लिए बेनडेड की कोर्टिस मलार
अस्पताल की निशिकरवा तीन
संस्कार तदके बेनडेड से सूरत
पहुंची और परिमल के हार्ट का दान

स्वीकार कर सुबाह आठ घंटे
बेनडेड जाने के लिए रखा हुई।
155 मिनट में टीम बेनडेड पहुंच गई
और हार्ट सूरई निवासी 14 साल
कापीन अस्तुला ओबीएलना में
ट्रांसप्लांट किया गया।

प्रशासन का रहा सहयोग

सूरत से हार्ट ले जाकर तमिलनाडु में
ट्रांसप्लांट करने में स्थानीय पुलिस
प्रशासन और एयरपोर्ट अथॉरिटी
तथा निशिकरवकी का सहयोग रहा।
नाइट लैन्डिंग और टैक ऑफ की
सुविधा नहीं होने के बावजूद तदके
सबसे तीन घंटे सूरत एयरपोर्ट
अथॉरिटी के निशिकर प्रोबेसुमार ने
सुविधा को संभरी है। वहीं
अस्पताल से एयरपोर्ट तक हार्ट ले
जाने के लिए शहर पुलिस आयुक्त
राजीव शर्मा को और सी प्रोन कोर्टिसोर
उपलब्ध करवाया गया।

सुरत से चेन्नई हार्ट ट्रांसप्लान्ट का पहला मामला 155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल



हार्ट ट्रांसप्लान्ट की गतिविधियां

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का पहला मामला 155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का पहला मामला 155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का पहला मामला 155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का पहला मामला 155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का पहला मामला 155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल।

सुरत से चेन्नई तक 1615 किलोमीटर की दूरी तय करके पहला हार्ट ट्रांसप्लान्ट का पहला मामला 155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल।



सुरतથી પહેલીવાર હાર્ટને 1615 કિ.મી. દૂર ચેન્નાઈ માત્ર 155 મિનિટમાં પહોંચાડાયું

બ્રેઇનડેડ પતિ પ.રિમલ ભગતના અંગોળું ડોનેટ લાઇવની મદદથી દાન કરી પત્ની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું

સુરત સુરત અને મુલશ્યામોશી હૃદયમયાર બ્રેઇન ડેડને 155 મિનટ આગળ 1615 કિ.મી. દૂર ચેન્નાઈ સુધી પહોંચાડાયું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું.

સુરત સુરત અને મુલશ્યામોશી હૃદયમયાર બ્રેઇન ડેડને 155 મિનટ આગળ 1615 કિ.મી. દૂર ચેન્નાઈ સુધી પહોંચાડાયું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું.

ડોનેટ વાઈટ કો-ઓર્ડિનેશન હેલ્થ અને વેલ્ફેરની વાર ડોનરોની ટીમ માટે ફાઇલ સામે રાખી

સુરત સુરત અને મુલશ્યામોશી હૃદયમયાર બ્રેઇન ડેડને 155 મિનટ આગળ 1615 કિ.મી. દૂર ચેન્નાઈ સુધી પહોંચાડાયું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું.

સુરતથી 1615 કિ.મી. દૂર ચેન્નાઈ સુધી પહોંચાડાયું

સુરત સુરત અને મુલશ્યામોશી હૃદયમયાર બ્રેઇન ડેડને 155 મિનટ આગળ 1615 કિ.મી. દૂર ચેન્નાઈ સુધી પહોંચાડાયું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું.

સુરત સુરત અને મુલશ્યામોશી હૃદયમયાર બ્રેઇન ડેડને 155 મિનટ આગળ 1615 કિ.મી. દૂર ચેન્નાઈ સુધી પહોંચાડાયું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું. આને કારણે પતિની જાગૃતિથી પ્રણ લાઈફલાઈને લવજીવન આપ્યું હતું.

સુરતથી 1615 કિમીનું અંતર 155 મિનિટમાં કાપ્યું, ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર-ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય UAEની મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકશે

સુરત | સુરતમાંથી કોઈ પ્રાથમિક રીતે 1615 કિમી નું અંતર 155 મિનીટમાં કાપીને તામિલનાડુના ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના

વડવૈયા હિન્દુ યુવકનું હૃદય યુનેઈટેડ નેશનલ ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ધબકતું કરાયું

હૃદય મર્યાદા ગણિતના પુરાત પરિણામોના અનુસાર 155 મિનિટમાં કાપીને તામિલનાડુના ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના વડવૈયા હિન્દુ યુવકનું હૃદય યુનેઈટેડ નેશનલ ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના

ડી.ન.કોરિડોર કરી

ધર્મક્રમ હૃદય ચેન્નઈ માટે માહિતી આપી હતી. ડી.ન.કોરિડોર કરી ધર્મક્રમ હૃદય ચેન્નઈ માટે માહિતી આપી હતી. ડી.ન.કોરિડોર કરી ધર્મક્રમ હૃદય ચેન્નઈ માટે માહિતી આપી હતી.



સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય યુનેઈટેડ નેશનલ ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય યુનેઈટેડ નેશનલ ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના વડવૈયા હિન્દુ યુવકનું હૃદય યુનેઈટેડ નેશનલ ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય યુનેઈટેડ નેશનલ ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતના વડવૈયા હિન્દુ યુવકનું હૃદય યુનેઈટેડ નેશનલ ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર કરવામાં આવ્યું હતું.



મહાદાન | સુરતના પરિવહનમાં હૃદય એવર-આઈઝ કિશોરીમાં ધબકતું કરાયું

હૃદય ૧૬૧૫ કિ.મી.નું અંતર કાપી ૧૫૫ મિનીટમાં પહોચ્યું તામિલનાડુ

સુરતના



સુરતના પરિવહનમાં હૃદય એવર-આઈઝ કિશોરીમાં ધબકતું કરાયું. સુરતના પરિવહનમાં હૃદય એવર-આઈઝ કિશોરીમાં ધબકતું કરાયું.

સુરતના પરિવહનમાં હૃદય એવર-આઈઝ કિશોરીમાં ધબકતું કરાયું. સુરતના પરિવહનમાં હૃદય એવર-આઈઝ કિશોરીમાં ધબકતું કરાયું.

સુરતના પરિવહનમાં હૃદય એવર-આઈઝ કિશોરીમાં ધબકતું કરાયું. સુરતના પરિવહનમાં હૃદય એવર-આઈઝ કિશોરીમાં ધબકતું કરાયું.



(લગભગ : મીલેશ બેંગલોર)

સુરતના બ્રેઈનડેડ વેપારીના હૃદયથી યુએઈની મુસ્લિમ દીકરીને નવજીવન

સુરતનાર
આવશ્યકતા સંભળ્યા પોષ્ટર કરેલા સુરત
ગંડરખોલી પ્રથમ વખત હૃદય પલ્પ ડિ.ની નું પાલ
મિનિટમાં અંતર કાપી ચેન્નાઈ પહોંચાડ્યું હતું.
સુરતના અરસાબેન. નિહાળું બ્રેઈનડેડ થતા તેમનું
હૃદય ચેન્નાઈમાં સારવાર લેતી મુસ્લિમની દીકરીની
દીકરીમાં પ્રત્યાયોજના કરાવ્યું હતું. ડિ.ની નું ધન
આવશ્યકતા હોં શિવરાત્રે આપ્યું હતું. બેનેટ ડાક્ટર
દ્વારા છેલ્લા ૧૪ મહિના સુરતમાં હૃદયનું ધન
મેળવવામાં આવ્યું છે.

હૃદય પ્રત્યાયોજનાની પાંચેલી આપત.
બેનેટ ડાક્ટરના નીલાકાંઈ આરોગ્યકાંઈ હજી પુહોં
કે, અરસાબેન. અરસાબેન. રિટીન્યુટરિય ડાક્ટરના
પરિભવનાઈ પુરુષનાઈ અવત (૧૧.૧૩, ૨૦). હૃદ
કોષ્ટક ઓસાબેન. અરસાબેન. પુષ્ટ રહે. તાંબાબ.
તા. મીલેશી. ડિ. ડી.ટા. બેન.પુ.ને લોક આરોગ્ય વેજ
મલામાં દુ.આલો થયા બહુ બહુ બેન.બેન.બેન. આપના
કયાયા હતા. કેમના ડી.ટી. એ.આ. રિપોર્ટમાં મગફળ
નર. કાંઈ જમણી કાંઈનાં વલો આપી ગય.નું નિબંધ
થયું હતું. આદાઈ સા.બેન. વેજ હોંશિવરના તબીબી
ડો. અરસુબ સોશિ.એ વે.બેન. બેન. પરિભવનાઈને
બ્રેઈનડેડ અહેવ તર્કી હતા, જે અંતે બેનેટ ડાક્ટરના

નીવેન.કાંઈને જણા કરતા તેમની પરિભવનાઈના
બેન.બેન.બેન.ને અંગ્રાન નિલો અંગ્રાન. પરિભવના
માટે િયાર કર્યો હતો.

હૃદયના ધન અંગ્રાન. માટે અમદાવાદ, મુંબઈ,
કોલ્કો, પુરે સંપર્ક કરાયો હતો. પરંતુ તેમાં અનુભવ
કાંઈ ન હોય આખરે ચેન્નાઈ હોંશિવરમાં સારવાર
લેતી મુસ્લિમ આરોગ્ય સંપી.બેન. (મુસ્લિમ). પુ.ત. તારીખ
કુપારી નાતીયા એ મીલેશી સાથે હૃદય વેજ થયું
હતું. આદાઈ સુરત બાહ્ય હોંશિવરથી વેજ મિનિટમાં
૧૬૧૫ ડિ.ની નું અંતર કાપીને પરિભવનાઈના હૃદયને
ચેન્નાઈ પહોંચાડ્યું હતું અને તેમું કુપારી નાતીયામાં
પ્રત્યાયોજના કરાય હતું.

બેન.બેન.બેન. કે હૃદય પરિભવનાઈ અંગ્રાન. પા.ની
જાનુ.બેન. હોંશિવર. ન.અ.અ.બેન. આદાઈ વેજ
તરીકે કરવા થયા છે. અવત કોપતીની બેન.બે. હૃ
વરિય પુ.ની.બે. રિ.બે. અને ડિ.બે. નર.બાહ. પા.નેની
સેક્ટર.કુ. આદાઈ પો.ર.ના અનુભવ કરે છે.

નાં હોંશિવર હોંશિવર. આ હોંશિવર. આ હોંશિવર.
અનુભવ હોંશિવર.કે વલો અવતર મુષીનાં ૧.૮૦
કિ.ગ્રા. હોંશિવર. કે.બે.બે.બે.બે.બે.બે.બે.બે.બે.બે.બે.બે.
૧૧૫ થયું હતું. આ મેળવવા કરતા અવતરનાં
નવજીવન આપ્યું છે.

ફરસાહના ડિસ્ટ્રીબ્યુટર પરિમલ ભગત માથામાં દુઃખાવા બાદ બ્રેઈનડેડ
થયા હતા : સુરતથી ૧૫૫ મિનિટમાં હૃદયને ચેન્નાઈ પહોંચાડાયું

૧૫૫ મિલિટમાં ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપી હાર્ટ સેલ્સ પહોંચાડાયું

સુરતના યુવાનનું હાર્ટ યેનાઈમાં UAEની તરુણીમાં સફળતાપૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

» ગુજરાતમાંથી તામિલનાડુમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટનો પ્રથમ કિસ્સો

સુરત : સુરતમાં અંગદાનની પ્રવૃત્તિમાં આવેલી જાગૃતિને પગલે રાજ્યમાંથી તામિલનાડુમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાનો પ્રથમ કિસ્સો બન્યો છે. ૧૫૫ મિલિટમાં ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપીને સુરતના યુવાનનું હાર્ટ ચેન્નાઈનો હોસ્પિટલમાં પહોંચાડી યુએઈની તરુણીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. કરસાણાની એજન્સી થરાવતા આ યુવાનના અંગદાનથી આ તરુણી સહિત ત્રણ જણાને નવજીવન મળ્યું છે.

પ્રાપ્ત માહિતી મુજબ ઓલમ્પાડ રોડ, જહાંગીરપુરા સિત્ત શ્રીધર સોસાયટીમાં રહેતા પરિમલભાઈ મુળજી ભગત (ઉં.વ. ૪૮) અંગદાનમાં સેનપાળ ટ્રિસ્ટાબ્યુટર નામથી કરસાણાની એજન્સી થરાવતા હતા. જ્યારે તેમની પત્ની જાગૃતિભેન નગર પાશ્ચિમિક શિક્ષણ સમિતિની શાખા નં. ૨૮૫માં શિક્ષિકા છે. જોડિયા બ્રાજડી રિદ્ધિ અને ચિદ્ધિ (ઉં.વ.૭) સાથેના આ સુખી પરિવારને કોઈની નજર ધારી હોય તેમ જ તો રજીએ પરિમલભાઈને થયેલો માથાનો દુખાવો મોટી અફત બનીને આવ્યો હતો. તેમને વિકસ લગાડી માથા પર તુચાલ બાંધી જાગૃતિભેન સ્કૂલે યથા બાડ તેમની ત્રિમિયત વધુ લથડી ગઈ હતી. ત્યારબાદ તેમને અંગદાનની હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા જ્યાં મઈકાલે તબીબોએ તેમને મેઈનરેડ ઘોષિત કર્યા હતા. હોસ્પિટલ તરફથી ડોનેટ વાઈફના નિવેશ માંડશેવાવાને જણા કરાતા તેઓ ટીમ સાથે દોડી આવ્યા હતા. જાગૃતિભેન સહિનના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવારે સંમતિ આપતા હાર્ટ અને કિડનીનું દાન લેવાનો નિર્ણય પાયો હતો.



હાર્ટ ડોનેટ કરવા ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દિલ્હી અને તામિલનાડુમાં સંપર્ક કરાયો

જિસેરા મહાલેવાલણે જણાવ્યું હતું કે, કિડની માટે IKDRC નો ટીમને આશવા જણાવવા હતું. જ્યારે હાર્ટ માટે અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં દર્દી ન હોવાને કારણે મુંબઈ એન્ડ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોર્ડિનેશન કમિટી (ZTC) સંપર્ક કરાવેલો. પરંતુ ત્યાંપણાએ પોસિટિવ ચુાવને દર્દી નહીં મળતા આખરે દિલ્હી સિટા નેશનલ એંગલ એન્ડ ટીસુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સોસાઈટી સેકલને જામ કરાઈ હતી ત્યાંબાદ તામિલનાડુના નેશનલ લેટરડર્મ સેંક સોસાઈટી સેંક સો-સોર્સેસેટનો સંપર્ક થતા સેક્રાઈની હોસ્પિટલમાં યુએઈની રજીસ્ટ્રેશન ૧૪ વર્ષીય કુમારી ખાદીજા સખ્દલા સોબીદાલાને આ હાર્ટ આપી સેંક માનવીનું જીવન જસાધવાનું અગીચ્ચ કાર્ય કરવાનું નક્કી કરાયું હતું. ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દિલ્હી અને તામિલનાડુમાં એ પોસિટિવ ચુપનો ભારતીય દર્દી નહીં મળતાં કલ્પદાસીવ પ્રક્રિયા કઠી ચિંત્તી નગરિકને હાર્ટ આપવાનું નક્કી કરાયું હતું.

આને ૧૨ કલાક બાદ સડળા ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સક્રિય બન્યું

મઈકાલે સવારે ૯:૩૦ વાગે ફોર્નહેડ ખાહેર કલ્પેસા પરિમજમઈનું હાર્ટ આને બાંધે સવારે ૬ વાગે ચેન્નાઈ જી હોસ્પિટલમાં કુમારી ખાદીજાને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. સુરત એરપોર્ટ ઘિર મલ્લે ૩:૩૦ વાગે સેલિંગની પટવાલગી સમી એરપોર્ટ સોલોરિટીએ સરકાર આપ્યો હતો. જ્યારે જાહેર પોલીસે ડીન કોર્ડિડોરની વ્યવસ્થા કરી મોટી રાહત આપી હતી. કલ્પ ૧૫૫ મિલિટના ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપી ચેન્નાઈની હોસ્પિટલમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. ડોનેટ વાઈફ હતા ૧૮૦ કિડની, ૭૭ લિવર, ૩ સેલ્ફીસાલ, ૯ હાર્ટ અને ૧૬૬ ચક્ષુનું દાન મેળવી ૪૩૦ લોકોને નવું જીવન અને રોસાની આપી છે.

UAEની ૧૪ વર્ષની તરુણી ખાદીજના શરીરમાં સુરતીનું હૃદય ધબકતું કરાયું

કોચિન, કર્ણાટક
સુરતના શ્રેણી સુરતીનું હૃદય ૧૬૧૫ કિલોમીટર દૂર ચેન્નાઈ ખાદીજના શરીરમાં સુરતીનું હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. કોચિનમાં શ્રેણી સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

પરિવહન માટે, આયોજક શ્રી. સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

કોચિનમાં શ્રેણી સુરતીનું હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.



સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

પરિવહન માટે, આયોજક શ્રી. સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

કોચિનમાં શ્રેણી સુરતીનું હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

સુરતની શિક્ષિકાના શ્રેણી સુરતી પતિન પરિમલભાઈનું હૃદય ૧૬૧૫ કિ.મી દુર ચેન્નાઈ ૧૫૫ મિનિટમાં પહોંચાડી તરુણીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું



૧૫૫ મિનિટમાં ૧૬૧૫ કિમીનું અંતરકાપી હૃદયને ચેન્નાઈ મોકલ્યું સુરતના શ્રેણી સુરતી થયેલ પરિમલ ભગતના હૃદયે યુએઈની ખાદીજને નવજીવન બક્ષ્યું

માલાવતા મહેડી
કોચિનમાં શ્રેણી સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

દેશમાં બે લાખને કિલોનીની જરૂર સામે માન ૪ હજાર લોકોમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
કોચિનમાં શ્રેણી સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

કોચિનમાં શ્રેણી સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

સુરતના શ્રેણી સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

કોચિનમાં શ્રેણી સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

કોચિનમાં શ્રેણી સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું. આ કાર્યને સુરતીના શરીરમાં હૃદય ધબકતું કરાયું હતું.

જહાંગીરપુરાના બ્રેઈનડેડ પરિમલ ભગતનું હૃદય યુએઈની ૧૪ વર્ષીય તરુણીમાં ધબકતું કરાયું

સુરત, તા. ૪
સુરતની ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા હૃદય શેવાનું કાર્ય કરવામાં આવે છે. બ્રેઈનડેડ વ્યક્તિના અંગદાન થકી બીજા અનેક લોકોને નવું જીવન બક્ષવામાં આ સંસ્થાનો સિલકાળો રહો છે, ત્યારે ફરી એક વખત ડોનેટ લાઈફની ટીમે સુરતના એક બ્રેઈનડેડ વ્યક્તિનું હૃદય માત્ર 155 મિનિટમાં 1615 કિલોમીટરનું અંતર કાપીને ચેન્નાઈ મોકલી, માત્ર 14 વર્ષની તરુણીના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરીને તેને નવું જીવન આપ્યું હતું.

આજજણ વિસ્તારમાં ક્ષેત્રપાળ ડિસ્ટ્રીબ્યુટર્સના નામથી ફરસાશની એજન્સી ધરાવતા પરિમલ મુળજીભાઈ ભગત (ઉ.વ. 43) જહાંગીરપુરાની શ્રીધર સોસાયટીમાં રહે છે અને મુળ છોટા ઉદેપુરના તાંતલજા ગામના વતની છે. ગઈકાલે તેમને માથામાં ટુમાવો થયો હતો તે પછી તકલીફ વધતા એમ્બ્યુલન્સ દ્વારા તેમને તાત્કાલિક બીએપીએસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા, જ્યાં તબીબોએ તેમની ટ્રીટમેન્ટ કરી હતી અને

પછી આજે પરિમલભાઈને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

બ્રેનેટલાઈફ સંસ્થાને આ અંગે જાણ કરતાં ડોનેટલાઈફના નિલેશ માંડલેવાલાએ

કોર્ટિસ હોસ્પિટલમાં યુએઈની વતની ૧૪ વર્ષની તરુણી ખદીજા અબ્દુલ્લાને હૃદયની જરૂરિયાત હતી, નાટો તરફથી વિદેશી વ્યક્તિને હૃદય આપવાની મંજૂરી મળતાં



**ડોનેટ લાઈફને અંગદાની વધુ એક સફળતા:
ચેન્નાઈની હોસ્પિટલ સુધી ગ્રીન કોરિડોર તૈયાર કરી
૧૫૫ મિનીટમાં ૧૬૧૫ કિ.મી. દૂર પહોંચાડાયું**

પરિમલ ભગતના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિમલ ભગતના પત્ની જાગૃતિએને સંમતિ આપી પછી બીજા અંગો ઉપરાંત તેમનું હૃદયનું દાન લઈને તેને ઝડપથી ચેન્નાઈ પહોંચાડવું જરૂરી હતું. ચેન્નાઈ તામિલનાડુમાં આવેલી

૧૪ ગ્રીન કોરિડોર તૈયાર કરીને કોર્ટિસ હોસ્પિટલના તબીબો સુરત આવીને માત્ર 155 મિનિટમાં 1615 કિ.મી.નું અંતર કાપી હૃદય ચેન્નાઈ લઈ ગયા હતા અને 14 વર્ષની ખદીજા અબ્દુલ્લાના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું હતું.

UAEની બાળકોમાં ધબકી ઉઠ્યું સુરતનાં યુવાનનું હૃદય !

એરપોર્ટ ઓથોરિટીએ સુરતમાં
નાઇટ લેન્ડિંગની પરમિશન આપી



સુરતના ડૉ. જી. જી. આર્જે સુરતની ૧૪ વર્ષની એક સુરતથી રોમ કોરીયર સ્ત્રીને મુરતમાં એક પેરિંગ ડેડ યુવાન પાયાકોમને સવળતાપૂર્વક ઉતારી નાખે. પેન્નાઈ ઠાંટે ૬૬૫ પેન્નાઈ કિલ્લ ડોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપોર્ટ કરવામાં આવ્યું છે. મોહનલાલ આલુ છે. જ્યાં

ઉપરોક્ત તબીબોએ માન્ય ગણાવીની મીનીસોમાં સરખતાપૂર્વક ઠાંટે ટ્રાન્સપોર્ટ કર્યું હતું.

પરતે રજા માથે જહાગીરપુર નિવાસમાં રહેતા પરિમલ મુવજી ભગવાણે (૪૦) સુરતે માથું ટ્રાન્સપોર્ટ કરવાઈ કર્યા માદ સુરતે ૯ કલાક તેમનાં પાતા-મિલાબ વેંકટજીનો પ્રવલ કરતાં તેઓ સંગમ નજરાણા કલા. તાલુકાકે ૧૦૮૦માં બોડામીને સહજતા સિવલ બીઓસિન્ટ્રલ ડોસ્પિટલમાં ડાખલ

કરવા કર્યાં. જ્યાં ડૉ. વિલેમ ઉંકાઈની સહયોગે એક તેમનું મીટી સેન કરાવ્યું હતું. મીનીસોમાં

**૫૫૫ મિનિટમાં
સુરતથી ચેન્નાઈ
પહોંચાડાયું
ધબકવું હૃદય**

મરજની નયને સારી જવાને સરજી કાઢીને મહાં જમી મર્યાનું (૩૩૦ પાનું ૧૦)

યુવાનનું હૃદય

નિવાસ થયું હતું. પહોંચીને સુરતેરજન ડૉ. હવમુખ સોજીવ અને સુરતેરજીવન ડૉ. રોમન પરેડ પરિમલજીને મેડીનનાં જાહેર કર્યાં હતાં. અમદાવાદ ડોસ્પિટલી જાણી રેવાલાયે એન્ટે જાઈક સંસ્કરણે સંપર્ક કરતાં ડાયુન નિવેંકજીમાં પાડોલાયા અને તેની ટીમ પરિવહન વાહનનાં પરિવાર જોઈ વાતાવરણ સ્ત્રીને અમદાવાદ કરવા માટે સમજાયું હતું. પરિવાર ભગવાણે પત્ની અને તેમનાં પાતા-પેલાબ અમદાવાદ મારેની મજુરી આપતા નિવેંકજીમાં અને તેની ટીમ ઠાંટે એન્ટે કરવાનો પકેવ. આવાન પપાની હતી. ડૉ. પાંડેરીયાનું ઠાંટેનું ઠાંટેકે કર્યાં ઠાંટેની જરૂરીયાત છે તે પ્રકારનું ઠાંટે મુવજી, યુન. અને ઠાંટેમાં કયાપ ન. પપલા ઠાંટેની નાંટોની ટીમ. ઠાંટેનું ઠાંટે ઠાંટેમાંનો સપર્ક સ્ત્રીને ઠાંટેના ઠાંટેની જરૂરીયાત વાંચી કરતા પેન્નાઈ સિવલ પુલેંકોની એક પાવડેને ઠાંટેની જરૂર સંગમનું પ્રકારમાં આવ્યું હતું.

૧૮ કલાકની જહેમત માદ પુલેંકોની માવડેને ઠાંટે એન્ટે કરવાની પ્રેસિા ૫૨ પાંટે આરવામાં

આવી હતી. સરિતનાં ૧ કલાકે પેન્નાઈથી ઠાંટેકે મારે ઠાંટેયોની ટીમ સુરત એરપોર્ટ પર આવી પહોંચી હતી. એરપોર્ટ ઓથોરિટીએ સુરતમાં નાઈટ એન્ટેની મંજુરી આપી અમદાવાદની પ્રવુલેને પ્રવલાન આપ્યું હતું.

પરિમલ ભગવાણે ઠાંટેમાં મેંવલામાં આવેલું ઠાંટે પુલેંકોની પાટીયા અભુલા ઓપેરેશનમાં ટ્રાન્સપોર્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. ડૉ. કે. આર. પાપાકિથ અને તેમની ટીમ પેન્નાઈની ઠાંટેકે ઠાંટેકે આન ટ્રાન્સપોર્ટને પ્રેસિા કરી હતી. ઠાંટેમાં મેંવલામાં આવેલી પત્ની ઠાંટેનું અમદાવાદ પાંટે સરખતાપૂર્વક ટ્રાન્સપોર્ટ કરાયું છે.

ઠાંટેકે જાઈક સંસ્કરણે અમ્બાર સુધી ૧૮૮ કીલોની ૬૦ વીવર, ૮ પેન્નાઈવાહ, ૯ ઠાંટે અને ૧૧૯ મજુમોન. ઠાંટે તેમનીને ફાટ ૧૨૭ ઠાંટેકેને નવજીવન મર્યાવામાં સરખતા મેંવલી છે. સુરત ડોસ્પિટલથી એરપોર્ટ સુધીનો રોમ સેવીંગે સંગમનાં સુલત મારે પાંટેને મર્યાવાનું સરખા કર્યાં.